भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1663

30 जुलाई, 2025 को उत्तर देने के लिए

उत्कृष्टता केंद्रों को निधि आवंटन

†1663. श्री रॉबर्ट ब्रूस सी.:

श्री मुरसोली एस.:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में विभिन्न उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) को आवंटित निधि का ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान में कार्यशील उत्कृष्टता केंद्रों का मंत्रालय-वार और क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है तथा उनके प्रमुख अनुसंधान केन्द्रित क्षेत्र कौन-कौन से हैं,

(ग) क्या सरकार दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करती है;

(घ) यदि हाँ, तो क्या उसकी उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों के लिए वित्तपोषण और सहायता बढ़ाने की योजना है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु राज्य में विभिन्न उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) को आवंटित धनराशि का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

उत्कृष्टता केंद्र के बारे में ब्यौरा	पिछले तीन वर्षों में आवंटित धनराशि (करोड़ में)
आईआईटी मद्रास, चेन्नई में आईआईटी मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन	133.93 करोड़ रूपये
आईआईटी मद्रास, सी-डॉट-चेन्नई के सहयोग से	5.17 करोड़ रूपये
पीएसजी सीटी- विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क (पीजी-एसटीईपी), कोयंबटूर	7.66 करोड़ रूपये
वेल टेक टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर, चेन्नई	1.68 करोड़ रूपये

(ख) वर्तमान में कार्यरत उत्कृष्टता केन्द्रों (सीओई) का विवरण, उनके प्रमुख अनुसंधान केन्द्र क्षेत्रों के साथ नीचे दिया गया है:

सेक्टर	**उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)**	**प्रमुख अनुसंधान केंद्र क्षेत्र / सेक्टर**
क्वांटम प्रौद्योगिकी	आईआईएससी बेंगलुरु	क्वांटम कंप्यूटिंग
	आईआईटी मद्रास, सी-डॉट के सहयोग से	क्वांटम संचार
	आईआईटी बॉम्बे	क्वांटम संवेदन और मापविज्ञान
	आईआईटी दिल्ली	क्वांटम सामग्री और उपकरण
स्वच्छ ऊर्जा	डीएसटी- आईआईटी बॉम्बे	हाइड्रोजन पर ऊर्जा भंडारण प्लेटफ़ॉर्म
	डीएसटी- एनएफटीडीसी	हाइड्रोजन पर ऊर्जा भंडारण प्लेटफ़ॉर्म
	डीएसटी-आईआईटी दिल्ली	बैटरी पर ऊर्जा भंडारण प्लेटफ़ॉर्म
	डीएसटी-आईआईएससी, बेंगलुरु	सुपरकैपेसिटर पर ऊर्जा भंडारण प्लेटफ़ॉर्म
	डीएसटी-आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम	भंडारण पर एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा सामग्री त्वरण प्लेटफ़ॉर्म
	डीएसटी-आईआईटी हैदराबाद	जैव ऊर्जा और हाइड्रोजन पर एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा सामग्री त्वरण प्लेटफ़ॉर्म
उन्नत विनिर्माण	आईआईटी दिल्ली	स्मार्ट विनिर्माण
	सीएसआईआर-एनएमएल,जमशेदपुर	घिसाव और संक्षारण प्रतिरोधी कोटिंग्स तकनीक
	आईआईटी रोपड़	घिसाव और संक्षारण प्रतिरोधी कोटिंग्स तकनीक
	आईआईटी पटना	घिसाव और संक्षारण प्रतिरोधी कोटिंग तकनीक
	आईआईएससी बेंगलुरु	विशेष रसायन
	सीईएनएसई, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु	पीज़ो एमईएमएस के लिए इलेक्ट्रॉनिक ग्रेड सामग्री विनिर्माण
	सीएसआईआर-एनएएल, बेंगलुरु	
	सीएसआईआर एनसीएल पुणे	विशेष रसायन
	नवाचार एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण फाउंडेशन (एफआईटीटी) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स
स्वास्थ्य	आईआईटी कानपुर	एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर)
अपशिष्ट प्रबंधन	वीएनआईटी नागपुर	कृषि अवशेष प्रबंधन
	चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा, पंजाब	कृषि अवशेष प्रबंधन

सेक्टर	उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)	प्रमुख अनुसंधान केंद्र क्षेत्र / सेक्टर
स्टार्ट-अप प्रोत्साहन के लिए सेक्टर अज्ञेय उत्कृष्टता केंद्र	भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए), अहमदाबाद	क्षेत्र-ऐग्नॉस्टिक
	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे	व्यापक स्पेक्ट्रम
	कलिंगा प्रौद्योगिकी संस्थान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	डिजिटल स्वास्थ्य सेवा, एग्रिटेक, मेडटेक
	पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर	एडवांस टेक्नोलॉजीज
	वेल टेक रंगराजन डॉ. सगुनथला अनुसंधान एवं विकास विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई	विनिर्माण, डिजिटल उद्यम एवं अपशिष्ट एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन।
	सीएसआईआर-राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे	आविष्कारशील उद्यम, जैव प्रौद्योगिकी/जैव चिकित्सा/स्वास्थ्य सेवा/कृषि, ऊर्जा/पर्यावरण स्थिरता
	टी -हब, हैदराबाद	कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग
	आईआईटी कानपुर	मेडटेक
	आईआईटी मद्रास, चेन्नई में आईआईटी मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन	प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन केंद्र

(ग) से (ङ): अनुसंधान, विकास और नवाचार ने भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसे भारत सरकार ने भी भली-भांति स्वीकार किया है। देश के अनुसंधान एवं विकास तंत्र को और मज़बूत करने के लिए, सरकार ने विभिन्न विज्ञान मंत्रालयों के लिए बजट आवंटन में लगातार वृद्धि की है। क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी, साइबर-भौतिक प्रणालियां, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियां, जैव-विनिर्माण और उन्नत सामग्री जैसे उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों में कई उच्च प्रभाव वाले प्रौद्योगिकी मिशन शुरू किए गए हैं।

प्रमुख नीतिगत प्रगति के तहत, सरकार ने देश में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए रणनीतिक दिशा प्रदान करने हेतु अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) की स्थापना की है। एएनआरएफ शासी परिषद की उद्घाटन बैठक के दौरान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने के लिए, विशेष रूप से अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ जोड़कर, कई प्रमुख हस्तक्षेपों को मंजूरी दी गई। एएनआरएफ भारत की वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति को गति देने के उद्देश्य से उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) सहित कई कार्यक्रमों को लागू करने के लिए तैयार

है। इस दिशा में, एएनआरएफ द्वारा अभिसरण सीओई की स्थापना का आह्वान किया गया है, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों से विशेषज्ञता को एक साथ लाकर जटिल सामाजिक चुनौतियों का समाधान करना है ताकि नवीन और प्रभावशाली समाधान विकसित किए जा सकें।

*****